एक जिला एक उत्पाद

→ एक जिला एक उत्पाद योजना की शुरुआत उत्तर प्रदेश राज्य के द्वारा वर्ष 2018 की गयी थी। आगे चलकर केंद्र सरकार ने भी इस योजना को देश के सभी राज्यों में लागू करने का निर्देश दिया है।

→ एक जिला एक उत्पाद (ओडीओपी) पहल का उद्देश्य देश के सभी जिलों में संतुलित क्षेत्रीय विकास को बढ़ावा देना है।

→ इस पहल का उद्देश्य सभी क्षेत्रों में समग्र सामाजिक आर्थिक विकास को सक्षम करने के लिए देश के प्रत्येक जिले (एक जिला – एक उत्पाद) से कम से कम एक उत्पाद का चयन, ब्रांड और प्रचार करना है।

→ **<u>एक जिला एक उत्पाद (ओ.डी.ओ.पी.) का महत्त्व :-</u>**

- स्थानीय शिल्प/कौशल का संरक्षण और विकास और स्वदेशी ज्ञान को बढ़ावा देना।
- कृषि और बागवानी वस्तुओं के स्थानीय प्रसंस्करण को बढ़ावा देना।
- राज्यों के जिलों को निर्यात हब के रूप में बढ़ावा देना।
- जिला स्तर पर नवाचार/प्रौद्योगिकी के उपयोग के लिए पारिस्थितिकी तंत्र प्रदान करना ताकि उन्हें घरेलू और अंतरराष्ट्रीय बाजार के साथ प्रतिस्पर्धी बनाया जा सके।

→ **<u>इस पहल को अपनाने के लिए मध्य प्रदेश के 52 जिलों से संभावित उत्पादों की पहचान की गई है:-</u>**

आगर मालवा	संतरा / सिट्रस
अलीराजपुर	कस्टर्ड सेब
अनूपपुर	आम
अशोकनगर	टमाटर
बालाघाट	कोडो-कुटकी
बड़वानी	अदरक
बैतूल	आम
भिंड	बजरा
भोपाल	अमरूद
बुरहानपुर	केला
छतरपुर	सुपारी
छिंदवाड़ा	आलू
दमोह	टमाटर
उज्जैन	प्याज
उमरिया	आम
विदिशा	प्याज
नर्मदापुरम	अमरूद
इंदौर	आलू
जबलपुर	हरी मटर
झाबुआ	टमाटर

दतिया	टमाटर
देवास	आलू
धार	कस्टर्ड सेब
डिंडोरी	कोडो-कुटकी
गुना	धनिया
ग्वालियर	आलू
हरदा	प्याज
रीवा	हल्दी
सागर	टमाटर
सतना	टमाटर
सीहोर	अमरूद
सिवनी	कस्टर्ड सेब
शहडोल	हल्दी
शाजापुर	प्याज
श्योपुर	अमरूद
शिवपुरी	टमाटर
सीधी	आम
सिंगरौली	आम
टीकमगढ़	अदरक

कटनी	टमाटर
खंडवा	प्याज
खरगोन	मिर्च
मंडला	कोदो-कुटकी
मंदसौर	लहसुन
मुरैना	सरसों उत्पाद

नरसिंहपुर	गन्ना उत्पाद
नीमच	धनिया
निवारी	अदरक
पन्ना	आंवला
रायसेन	टमाटर
राजगढ़	संतरा/खट्टे
रतलाम	लहसुन

एक जिला एक उत्पाद
केंद्र द्वारा 24 जनवरी 2018 को आरम्भ की गयी।
2020-21 से लेकर 2024-25 तक 10,000 करोड़ व्यय होंगे।
हर जिले के किसी एक मुख्य उत्पाद को बढ़ावा दिया जायेगा।